बुनियाद

अनिल गर्ग
मो.नं. – 9425636979
पता – कोठीबाजार बैतूल (म.प्र.) 460001
Email: garganil1956@gmail.com

क्रमांक : अधि.– 140/20 दिनांक : 29/08/2020

आदरणीय भूपेष बघेल जी

सादर नमस्कार

विषय : जंगल, जमीन से संबंधित तीन मुख्य विषयों पर राज्य की असफलताओं पर प्रकाशित पुस्तक से संबंधित राज्य सरकार की गारण्टी बाबत्।

––00––

छत्तीसगढ़ राज्य कोरोना की जंग के बीच 1 नवम्बर 2020 को अपने गठन की 20वीं वर्षगांठ मनाएगा।

छत्तीसगढ़ गठन के पूर्व जंगल और जमीन से संबंधित तीन मुख्य विषयों पर समाज के विरूद्ध ऐतिहासिक अन्याय किए जाने, ऐतिहासिक अन्याय दोहराए जाने, नए–नए अन्याय किए जाने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ जिसे छत्तीसगढ़ गठन के बाद छत्तीसगढ़ की प्रजातांत्रिक व्यवस्था रोक नही पाई। छत्तीसगढ़ गठन के बाद प्रजातांत्रिक व्यवस्था अन्यायपूर्ण भूमिका ही निभाते आई है।

- छत्तीसगढ़ गठन के बाद भा.व.अ. 1927 की धारा 4 में अधिसूचित वनखण्ड एवं वर्किंग प्लान में 1980 तक शामिल कर ली गई भूस्वामी हक की निजी भूमियों से बिना मुआवजा दिए बेदखल किए गए एक भी किसान के संबंध में छत्तीसगढ़ की प्रजातांत्रिक व्यवस्था कोई विकल्प तो प्रस्तुत कर ही नही पाई अभी तक विचार भी नही कर पाई।
- छत्तीसगढ़ गठन के बाद भा.व.अ. 1927 की धारा 4 में 1975 तक अधिसूचित भूमियों पर आजादी के पूर्व और आजादी के बाद राजस्व अभिलेखों में दर्ज ग्रामीण समाज के सामुदायिक, परम्परागत एवं रूढ़िक अधिकारों तथा सार्वजनिक एवं निस्तारी प्रयोजनों को यथावत मान्यता दी जाकर संविधान के 73वें संशोधन, 11वीं अनुसूची, पेसा कानून 1996 एवं वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)ख का सम्मान किए जाने का भी कोई प्रयास छत्तीसगढ़ की प्रजातांत्रिक व्यवस्था नही कर पाई।

➢ छत्तीसगढ़ गठन के बाद भा.व.अ. 1927 की धारा 34अ के अनुसार 1975 तक राजपत्र में डीनोटीफाईड भूमियों से संबंधित अधिसूचनाओं की प्रतियों को संकलित किया जाकर डीनोटीफिकेशन की प्रविष्टि वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अभिलेखों में दर्ज किए जाने एवं वन भूमियों को 1979 में बनाए कानून के अनुसार काबिजों, भूमिहीनों में वितरित किए जाने का कोई प्रयास छत्तीसगढ़ की प्रजातांत्रिक व्यवस्था प्रारम्भ ही नही कर पाई, इस विषय पर भी विचार नही कर पाई।

हम 26 जनवरी 1950 से 26 जनवरी 2000 तक अविभाजित मध्यप्रदेश एवं उसके बाद 26 जनवरी 2020 तक छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त 19170 राजस्व ग्रामों के ग्रामीण समाज और भूस्वामी किसानों पर किए गए **ऐतिहासिक अन्याय और प्रजातांत्रिक व्यवस्था की असफलताओं सहित प्रजातांत्रिक व्यवस्था की मिली भगत का इतिहास छत्तीसगढ़ वासियों के समक्ष 20वीं वर्षगांव के अवसर पर पुस्तक प्रकाशित कर रखना चाहते है।**

आपसे, आपकी सरकार से, आपके सहयोगियों से क्या हमें यह गारण्टी मिल सकती है कि 70 वर्षीय इतिहास पर प्रमाणों के साथ प्रकाशित की जाने वाली पुस्तक एवं सामग्री को नक्सलवादी गतिविधि, आतंकवादी गतिविधि, देशद्रोह की गतिविधि जैसे आरोपों में शामिल नही किया जावेगा बल्कि पुस्तक में प्रकाशित विषयों एवं प्रमाणों को छत्तीसगढ़ राज्य की प्रजातांत्रिक व्यवस्था अपने मूल्यांकन का आधार बनाएगी।

हम उम्मीद करते है कि हमें 70 वर्षीय अन्यायपूर्ण ऐतिहासिक इतिहास को छत्तीसगढ़ की जनता सहित देश के सामने प्रस्तुत किए जाने से संबंधित गारण्टी देने का कष्ट किया जावेगा।

संलग्न :– निल।

अनिल गर्ग

प्रति

श्री भूपेष बघेल जी
माननीय मुख्यमंत्री जी
छत्तीसगढ़ शासन

प्रतिलिपि : माननीय मंत्रीगण समस्त छत्तीसगढ़ राज्य
माननीय सलाहकारगण समस्त छत्तीसगढ़ राज्य
माननीय विधायकगण समस्त छत्तीसगढ़ राज्य